खम्मा घणी...!!

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

भाषा वो कड़ी है जो देश के लोगों को उसी प्रकार एकत्रित रखती है जिस प्रकार एक धागा फूलों को माला के रूप में संजोय रखता है |

लगभग २०० साल के अंग्रेज़ों के शासन के बाद जब १९४७ में भारत को आज़ादी मिली तो देश को उस एक भाषा की आवश्यकता थी जो देश रुपी माला में लोगों को फूलों की भाँती पिरो कर रखे | सन १९४७ में जब यह सवाल देश के सामने आया तो पूरे देश के लिए एक भाषा का चयन करना आसान नहीं था | एक देश जहाँ २०० से भी अधिक भाषाएं बोली जाती हों, एक ऐसी भाषा का चुनाव करना जो देश में एकजुटता बनाये रखे एक चुनौतीपूर्ण कार्य था | ऐसे हालात में बेहद विचार-विमर्श के पश्चात् हिंदी को १४ सितम्बर १९४९ के दिन आधिकारिक रूप से राजभाषा का दर्जा दिया गया | हिंदी भाषा का सफर इस दौरान आसान नहीं रहा | परन्तु इतने उतार चढ़ाव के बावजूद आज भी हिंदी भारतीय नागरिकों में लोकप्रिय है और बहुत से लोगों की पहली पसंद है |

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में हिंदी भाषा का उपयोग एवं हिंदी भाषा में कार्य बहुत बढ़ चढ़ कर किया जाता है | जहाँ एक तरफ छात्रों द्वारा संचालित "नुक्कड़ नाटक" एवं लेखन कौशल स्थानीय एवं राज्य स्थर पर लोकप्रिय है, संस्थान के कुछ सदस्य अपने कविता पाठन के लिए जाने जाते हैं | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सदस्यों की यही भावना है जो औरों को भी हिंदी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करती है और यह पत्रिका इसी दिशा में हमारा पहला कदम है | हमें आशा है इस सफर में हमें संस्थान के छात्रों एवं कर्मचारियों का पूर्ण सहयोग मिलेगा और हम हिंदी से जुड़े कार्यों को नयी उंचाइयों को पहुंचा सकेंगे |

जय हिन्द |

पुनीत शर्मा (हिंदी अधिकारी)

निदेशक का सन्देश

मुझे यह बताते हुए बेहद प्रसन्नता हो रही है कि आई.आई.टी. जोधपुर "खम्मा घणी" समाचार पत्रिका हिंदी दिवस के सुअवसर पर पुन:प्रकाशित करने जा रहा है| निःसंदेह यह समाचार पत्रिका संस्थान की गतिविधियों का एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज और उपयोगी संकलन है |

तथा मुझे यह भी बताते हुए हर्षोल्लास महसूस हो रहा है कि संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में निहित शिक्षण कार्यकलापों में हिंदी भाषा के प्रयोग सम्बन्धी बिन्दुओं पर अमल हेतु सक्रियात्मक कार्यान्वयन प्रारंभ कर चुका है| पिछले वर्ष से ही संस्थान में प्रथम वर्षीय बी.टेक. छात्रों के लिए हिंदी में ट्युटोरियल शुरू हो चुके हैं, जो कि इस दिशा में सचेत कदम हैं|

प्रौद्योगिकी संस्थान में राजभाषा हिंदी के आगामी प्रयोग को बढ़ाने में यह पत्रिका एक सकारात्मक भूमिका निभाएगी | आशा है कि यह पत्रिका नवीनतम सूचनानाओं से परिपूर्ण और सभी पाठकों की अकांक्षाओ को पूरा करने में सफल होगी | मैं इस समाचार पत्रिका के पुन:प्रकाशन के लिए सम्पादक मंडली को बधाई देता हूँ |

प्रो. शांतनु चौधुरी

उपनिदेशक के दो शब्द...

यह बहुत ही हार्दिक प्रसन्नता का विषय है भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर अपनी समाचार पत्रिका "खम्मा घणी" का प्रकाशन पुन:प्रारम्भ करने जा रहा है | मुझे न केवल आशा है बल्कि पूर्ण विश्वास है कि यह मासिक समाचार पत्रिका संस्थान में होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियों के जानकारी विस्तृत पाठकगण तक पहुंचाने में उपयोगी सिद्ध होगी | मैं इस पत्रिका के निरंतर सफल प्रकाशन के लिए शुभेच्छा प्रस्तुत करता हूँ |

प्रो. संपत राज वडेरा

कुलसचिव के कलम से...

देश की प्रगति के लिए कई चीजें आवश्यक होती है। उनमें से एक अपनी भाषा भी है। जितना ज्यादा कामकाज अपनी भाषा के जरिए होगा, आगे बढ़ने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। यह बात केवल कहने की नहीं वरन विश्व की अनेक विकसित राष्ट्र इसका जीता जागता उदाहरण है। इसी बात को ध्यान में रखकर हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को देश की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया।

गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग देश में सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करने के लिए अनेक प्रयास कर रहा है। इस हेतु राजभाषा विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष वार्षिक कार्यक्रम जारी किया जाता है जिसे केंद्र सरकार के अधीन कार्यालय को पूर्ण रूप से क्रियान्वित करना होता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर भी इस हेतु कई प्रयास करने में अनवरत जुड़ा हुआ है तथा कई योजनाओं को संस्थान में लागू करने को तत्पर है।

मुझे संस्थान की पत्रिका **खम्मा घणी** का यह अंक देख कर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है, मैं इसके लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्यों को बधाई देता हूं कि संस्थान द्वारा पहली बार पूर्ण रूप से राजभाषा हिंदी में पत्रिका निकाली है। मैं निदेशक महोदय को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस कार्य हेतु हमें प्रेरित किया तथा संस्थान की पहली हिंदी पत्रिका को प्रकाशित करने का हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ |

डॉ. हरिओम यादव

द ब्रेन ट्री सर्कल

आभार: आनंद पडेगांवकर

"द ब्रेन ट्री सर्कल" कलाकृति आईआईटी जोधपुर परिसर की सुंदरता में चार चांद लगाता है| यह मूर्तिकला सर्किट के मूल भाव को नियोजित करती है जैसा कि एक मुद्रित सर्किट बोर्ड पर देखा जाता है। यह मानव मस्तिष्क के आकृति का प्रतिनिधित्व करती है। यह कलाकृति मानव तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अतिव्यापी होने को सुझाते हुए कल्पना की संभावनाओं का बृहद द्वार खोल देती है |

यह न केवल न्यूरोटेक्नोलॉजी की क्षमता के बारे में है, बल्कि मानवीय अनुभव को बढ़ाने के उद्देश्य से मशीन इंटेलिजेंस का लाभ उठाने की क्षमता के बारे में है| यह ठीक उसी तरह से कनेक्शन स्थापित करता है जिस प्रकार व्यावहारिक मूल्य का कार्य करने के लिए एक मुद्रित सर्किट बोर्ड (पीसीबी) इलेक्ट्रॉनिक या इलेक्ट्रिकल घटकों को जोड़ता है|

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० पर कार्यशाला

संस्थान ने NEP 2020 के दो साल पूरे होने का जश्न मनाया है। 3 सितंबर 2022 को एनईपी-2020 पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संस्थान के विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।

संस्थान के कुलसचिव महोदय डॉ. हरि ओम यादव ने सभा और वक्ताओं का स्वागत किया और परिचयात्मक टिप्पणी दी। उन्होंने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं से कार्मिकों को अवगत कराते हुए, संस्थान में नई शिक्षा नीति - 2020 के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु प्रशासनिक कार्यालयों की भूमिका के महत्व को दर्शाया।

डॉ. सोमनाथ घोष और डॉ. सुरील वी शाह ने एनईपी-2020 के अनुरूप विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में संस्थान द्वारा की गई पहल पर प्रस्तुतीकरण दिया। डॉ. सुमन कुंडू ने प्रशासन में प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप की आवश्यकता को प्रस्तुत किया। उन्होंने ईआरपी और ई-ऑफिस की जरूरत पर जोर दिया। सुश्री देबोश्री गांगुली ने सतत शिक्षा कार्यक्रम पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने सतत शिक्षा कार्यक्रमों में उपलब्ध अवसरों को प्रस्तुत किया। श्री अमरदीप शर्मा ने एनईपी के कार्यान्वयन में चुनौतियों और अवसरों को प्रस्तुत किया। उनके भाषण और प्रस्तुति में प्रशासक का दृष्टिकोण अच्छी तरह से व्यक्त किया गया । प्रो. छंदा चक्रवर्ती ने स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स के विभिन्न कार्यक्रमों में संस्थान द्वारा की गई पहलों को प्रदर्शित करते हुए एक प्रस्तुति दी। प्रो. एस.आर. वडेरा, उप निदेशक ने उच्च शिक्षा संस्थानों में एनईपी के कार्यान्वयन में अधिकारियों की भूमिका पर एक प्रस्तुति के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए।

संस्थान के निदेशक महोदय प्रो. शांतनु चौधरी ने चुस्त प्रशासन के महत्व पर अपनी दूरदर्शी टिप्पणी दी। उन्होंने चुस्त प्रशासन की परिभाषा दी जिससे श्रोता आसानी से सामग्री को समझ सके। उन्होंने संस्थान के विकास के लिए इसकी आवश्यकता पर जोर दिया।

श्री नरेश जोशी, उप कुलसचिव, अनुसंधान एवं विकास कार्यालय ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। श्रीमती टी. मालती, सहायक कुलसचिव, क्रय एवं भंडार कार्यालय ने मंच संचालन किया। कार्यशाला का संचालन सहज और आकर्षक था। पूरी सभा ने इसका खूब लुत्फ उठाया। लोगों ने वक्ताओं के साथ बातचीत की और हर एक प्रश्न को विषय के विशेषज्ञों द्वारा संबोधित किया गया।

संस्थान का 15वें स्थापना दिवस समारोह

02 अगस्त 2022 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने अपना15वां स्थापना दिवस समारोह मनाया जिसमें डॉ. आर. चिदंबरम, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने ऑनलाइन माध्यम से समारोह की अध्यक्षता की।

पूर्वाह्न में, प्रौद्योगिकी नवाचार "टेक्नोवेट: इनोवेशन @ आईआईटी जोधपुर" पर सत्र / कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रो. सौविक भट्टाचार्य, कुलपति, बिट्स पिलानी, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और डॉ. तपन मिश्रा, पूर्व निदेशक, सैक अहमदाबाद "टेक्नोवेट" सत्र / कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

शाम को, हम स्थापना दिवस स्मरणोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। प्रो. उदय बी. देसाई, पूर्व निदेशक, आईआईटी हैदराबाद समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने स्थापना दिवस पर व्याख्यान भी दिया। इस अवसर पर प्रो. सौविक भट्टाचार्य ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की गरिमा बढाई। आईआईटी जोधपुर बिरादरी की प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण संस्थान की वेबसाइट www.iitj.ac.in/foundationday2022 पर भी किया गया। संस्थान का स्थापना दिवस न केवल हम सभी के लिए जश्न मनाने का अवसर रहा, बल्कि संस्थान के विजन और मिशन के अनुसार इसके विकास के लिए खुद को फिर से समर्पित करने हेतु प्रेरणादायी भी सिध्द हुआ।

डॉ. हरिओम यादव ने कुलसचिव का पदभार ग्रहण किया

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) मुख्यालय, [विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारत सरकार)], नई दिल्ली के नवाचार प्रबंधन निदेशालय से वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. हरिओम यादव ने 27 जुलाई 2022 को कुलसचिव, आईआईटी जोधपुर का पदभार ग्रहण किया है।

डॉ. यादव ने एम.एससी. (इलेक्ट्रॉनिक्स) और पीएच.डी. (एप्लाइड फिजिक्स) यूनिवर्सिटी ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (यूडीसीटी), बॉम्बे विश्वविद्यालय, मुंबई से की। डॉ. यादव आईआईटी दिल्ली में पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप के बाद ईटीएल जापान और ढाका विश्वविद्यालय (बांग्लादेश) से आईसीटीपी इटली कार्यक्रम से किया। डॉ. यादव ने आगरा कॉलेज (आगरा विश्वविद्यालय) में भौतिकी विभाग में सीनियर लेक्चरर / असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में लगभग 10 वर्षों तक सेवा की, यूजी और पीजी छात्रों को पढ़ाया और कई प्रशासनिक समितियों के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

इसके बाद, वह 2001 में सीएसआईआर में शामिल हो गए और वहां विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी / अनुसंधान एवं विकास प्रबंधन वैज्ञानिक के रूप में 20 से अधिक वर्षों तक सेवा की। वह 20 वर्षों के लिए सीएसआईआर की प्रमुख योजना "न्यू मिलेनियम इंडियन टेक्नोलॉजी लीडरशिप इनिशिएटिव (सीएसआईआर-एनएमआईटीएलआई) - पीपीपी मोड में भारत का पहला राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम के लिए नोडल वैज्ञानिक रहे। इसके अलावा, डॉ. यादव सीएसआईआर के हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी (एच2टी) मिशन के प्रोग्राम उप निदेशक और सीएसआईआर के मिशन मोड प्रोजेक्ट्स के ग्रुप लीडर रह चुके हैं। उन्होंने लगभग 100 इन-हाउस और 25 एनएमआईटीएलआई (उद्योग के नेतृत्व वाली परियोजनाओं) को प्रशासनिक और वित्तीय रूप से प्रबंधित किया, जिसके परिणामस्वरूप प्रौद्योगिकी और उत्पाद का विकास हुआ।

वह सरकारी विभागों और मंत्रालयों की कई समितियों और 3 सीएसआईआर प्रयोगशालाओं की अनुसंधान परिषदों के सदस्य हैं। डॉ. यादव राष्ट्रीय स्तर पर एक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधक, प्रशासक, संकाय और शोधकर्ता रहे हैं, जिनके पास 36 से अधिक वर्षों के समृद्ध अनुभव की विस्तृत श्रृंखला है।

आईआईटी जोधपुर ने संस्थान में डॉ. यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया !

नवीन अनुगम

1.8.2022 से 10.9.2022 की अवधि के अंतर्गत संस्थान में कार्यभार ग्रहण करने वाले संकाय सदस्यों की सूची

पी.एफ. सं.	नाम	पदनाम	विभाग / कार्यालय	सेवारंभ तिथि
370	आकांक्षा चौधरी	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II	मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग	01-08-22
373	प्रतीक मजूमदार	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग	10-08-22
374	गोपाकुमार के यू	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग	18-08-22
375	सुभाष भगत	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	गणित विभाग	22-08-22
376	श्रीदेवी डी	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग	22-08-22
378	रिब्य अब्राहम बॉबी	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	25-08-22
379	पालस दास	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग	31-08-22
380	विमल राज शर्मा	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग	01-09-22
386	सुनीता	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	भौतिकी विभाग	06-09-22

1.8.2022 से 10.9.2022 की अवधि के अंतर्गत संस्थान में कार्यभार ग्रहण करने वाले स्टाफ सदस्यों की सूची

पी.एफ. सं.	नाम	पदनाम	विभाग / कार्यालय	सेवारंभ तिथि
369	राहुल कुमार	कनिष्ठ तकनीकी सहायक	यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	01-08-22
371	देवेन्द्र कुमार मीणा	कनिष्ठ तकनीकी सहायक	यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	01-08-22
372	रवि कुमार रवि	कनिष्ठ तकनीकी सहायक	विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	01-08-22
377	रेनचु टि.	सहायक क्रीडा अधिकारी	विद्यार्थी कार्यालय	22-08-22
381	प्रकाश मंडल	वरिष्ठ सोफ्ट्वेयरे इंजिनीयर	कंप्यूटर केंद्र	01-09-22
382	अविजित साहू	सोफ्ट्वेयरे इंजिनीयर	कंप्यूटर केंद्र	01-09-22
383	विकास पाण्डेय	सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर	कंप्यूटर केंद्र	01-09-22
384	अतुल कुमार पाल	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक	पुस्तकालय कार्यालय	01-09-22
385	तरुण भाटी	वरिष्ठ सोफ्ट्वेयरे इंजिनीयर	कंप्यूटर केंद्र	05-09-22
387	विक्रम सिंह शेखावत	कनिष्ठ तकनीकी सहायक	कंप्यूटर केंद्र	07-09-22
388	पियूष मारु	कनिष्ठ तकनीकी सहायक	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	08-09-22

3 सितंबर 2022 को आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर कार्यशाला

आभार: श्याम सुन्दर शर्मा

आभार: डॉ. श्रीमती लिपिका दे

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा प्रकाशित
सर्वाधिकार सुरक्षित © २०२२
प्रबंध सम्पादक

डॉ. श्रीमती क्षेमा प्रकाश, उपपुस्तकालयाध्यक्षा

प्रकाशन सहायता

श्री अशोक गहलोत, श्री चुन्नी छतवानी, श्री अतुल पाल

संपर्क

हिंदी कार्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर राष्ट्रीय राजमार्ग ६२, नागौर रोड, करवड, जोधपुर ३४२०३०